प्रज्ञा–प्रवाह

व्याकरण एवं अभ्यास पुस्तिका

4

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

प्रज्ञा-प्रवाह

व्याकरण एवं अभ्यास पुस्तिका

4

प्रकाशक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपतराय मार्ग, कुरुक्षेत्र – 136-118

दूरभाष : 01744 – 294241 ई – मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं वितरक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136-118

दूरभाष : 01744-259941 ई-मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

वितरण-केन्द्र

भारतीय शिक्षा समिति, जम्मू कश्मीर प्रदेश

भारतीय विद्या मंदिर परिसर, अम्बफला, वेद मंदिर, जम्मू-180 005

दूरभाष : 0191-2547953

E-mail: bssjmu2006@yahoo.com
bssjk08gmail.com

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब

सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, पठानकोट बाईपास, गुरु गोबिन्द सिंह एवेन्यू, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, जालन्धर-144 009

दूरभाष : 0181-2421199, 2420876

E-mail: ses_jld@yahoo.co.in, ses.jld@gmail.com

हिमाचल शिक्षा समिति, शिमला

सरस्वती विद्या मन्दिर, हिम रश्मि परिसर, विकास नगर, शिमला-171 009, दूरभाष : 0177-2624624, 2620814

E-mail: shikshasamiti@sancharnet.in
himachalshikshasamitishimla@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: hsskkr@yahoo.co.in

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: gsvskkr@yahoo.co.in

हिन्दू शिक्षा समिति-दिल्ली

डी.ए.वी.व.मा. विद्यालय क्र. 2, शंकर नगर, दिल्ली-110 051

दूरभाष : 011-22008542

E-mail: hindushikshasamiti@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, न्यास

गीता बाल भारती परिसर, राजगढ़ कॉलोनी, दिल्ली-110 031

दूरभाष : 011-22002957

E-mail: mahamantri_nyas@yahoo.co.in
hssn2604@gmail.com

समर्थ शिक्षा समिति

सरस्वती शिशु/बाल मन्दिर परिसर, आरामबाग, डेसू कार्यालय के पास, पहाडगंज, नई दिल्ली-110055

दूरभाष : 011-23631216, 23631247

E-mail: samiti59@yahoo.com

प्रथम संस्करण : 2015

वैधानिक चेतावनी

यह पुस्तक विद्या भारती उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रकाशित है। इस पुस्तक का प्रत्येक भाग सर्वाधिकार सुरक्षित है।

मुद्रक:

बुलबुल प्रिंटिंग प्रैस

प्लॉट नं॰ 1831, दीप कॉम्प्लेक्स हल्लो माजरा, चण्डीगढ़

दूरभाषः 09988338711 ई-मेलः bulbulpress@gmail.com

लेखक : सन्तोष कुमार त्रिवेदी
एम.ए. (राज.शास्त्र, हिन्दी) बी.एड.
शैक्षिक प्रमुख
विद्या भारती, हरियाणा

प्रस्तावना

इस पुस्तक के अध्ययन से भैया/बहिनें स्वतन्त्र चिन्तन द्वारा भाषा सीखने और समझने में नैसर्गिक क्षमताओं का रचनात्मक प्रयोग करने में सक्षम होंगे। पाठ्य वस्तु परीक्षा आधारित न होकर मूल्य आधारित बने तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (N.C.E.R.T) के मानकों के अनुरूप बनकर भाषा के चारों कौशलों (श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन) में अभिवृद्धि करने वाली सिद्ध हो ऐसा प्रयास है।

कल्पना शक्ति एवं सृजनात्मकता का विकास सहज रूप में हो, इस दृष्टि से भाषा सरल, सहज स्पष्ट एवं सुबोध बने इसका ध्यान रखा गया है। अध्ययन-अध्यापन में अभिरुचि के जागरण हेतु चित्रों की साज-सज्जा तथा भैया/बहिनों की आयु एवं ज्ञान के स्तर को ध्यान में रखते हुए - कविताएँ, कहानी, गीत, लेख एवं संस्मरण इत्यादि का चयन किया गया है।

समय के साथ रुचियों/अभिरुचियों का परिवर्तन, परिवर्धन अवश्यम्भावी है परन्तु जीवन मूल्यों का आधार ही शिक्षा को सोद्देश्य गतिमान करने में सक्षम हुआ है। शिक्षण सूत्रों-'सरल से कठिन की ओर' 'ज्ञात से अज्ञात की ओर' 'निश्चित से अनिश्चित की ओर' तथा शिक्षण युक्तियाँ-व्याख्या, कहानी, प्रश्नोत्तर, सहगान आदि के आधार पर पाठ्य सामग्री का चयन किया गया है।

सभी पाठों में अभ्यास कार्य के अन्तर्गत शिक्षणेतर गतिविधियों को विशेष स्थान देकर-सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (C.C.E पैटर्न) के मानकों को भी दृष्टिगत किया गया है।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पुस्तक अपने उद्देश्य में सफलता प्राप्त करेगी। आप सभी के बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी तथा हृदय से स्वागत करूँगा।

जिन ज्ञात-अज्ञात लेखकों, कवियों की रचनाओं का समावेश पुस्तक में किया गया है उन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

सन्तोष कुमार त्रिवेदी
एम.ए. (राज.शास्त्र, हिन्दी) बी.एड.
शैक्षिक प्रमुख, विद्या भारती, हरियाणा

विषय सूची (Contents)

क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
1.	भाषा (Language)	5–9
2.	लिपि और व्याकरण (Script & Grammar)	10–13
3.	वर्ण और हमारी वर्णमाला (Letter & Alphabet)	14–20
4.	शब्द और वाक्य (Word and Sentence)	21–24
5.	संज्ञा (Noun)	25–28
6.	लिंग (Gender)	29–32
7.	वचन (Number)	33–36
8.	कारक (Case)	37–40
9.	सर्वनाम (Pronoun)	41–43
10.	विशेषण (Adjective)	44–46
11.	क्रिया (Verb)	47–50
12.	काल (Tense)	51–54
13.	अविकारी शब्द (Indeclinable Word)	55–58
14.	विराम चिह्न (Punctuation)	59–63
15.	शुद्ध वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि (Correct Spelling & Sentence Correction)	64–67
16.	संधि (Joining)	68–72
17.	समास (Compound)	73–75
18.	उपसर्ग और प्रत्यय (Prefix and Suffix)	76–81
19.	विलोम शब्द (Antonyms)	82–84
20.	पर्यायवाची (Synonyms)	85–88
21.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (Single Word for group of words)	89–92
22.	मुहावरे और लोकोक्तियाँ (Idioms and Proverbs)	93–101
23.	कहानी लेखन (Story Writing)	102–105
24.	अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writing)	106–108
25.	पत्र लेखन (Letter Writing)	109–112

1- भाषा (Language)

पाठ 1

यह हमारे घर का चित्र है। हमारी दादी प्रतिदिन घर के सभी बच्चों को कहानी सुनाती है।

दादी – सभी बच्चे आज एक कहानी सुनेंगे।

सभी बच्चे – हाँ, दादी जी, आज हम एक राजकुमारी की कहानी सुनेंगे।

दादी – पहले अंकुर सभी बच्चों के नाम बताकर परिचय कराओ।

(अंकुर एक-एक करके सभी के नाम बताकर परिचय कराता है।)

अंकुर – दादी! सबसे पहले बैठीं हैं दीपिका, उनके साथ रजनी फिर मयंक और शेखर बैठे हैं।

उपरोक्त वार्तालाप से दादी के विचार सुनकर अंकुर ने सभी का परिचय कराया। यह समस्त कार्य भाषा के माध्यम से हुआ।

दीपिका – दादी! मातृभाषा क्या होती है?

दादी – हमारे परिवार में जो भाषा बोली जाती है तथा हमारी माँ जिस भाषा में बोलती है, उसे हम मातृभाषा कहते हैं।

रजनी– दादी! हमारी राष्ट्र भाषा कौन सी है?

दादी– हमारे संविधान ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा का स्थान दिया है।

मयंक– दादी! क्या हमारे देश भारतवर्ष में हिन्दी ही बोली जाती है?

दादी– नहीं, बच्चो! हमारे देश में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे – महाराष्ट्र में मराठी, गुजरात में गुजराती, तमिलनाडु में तमिल इत्यादि। कुछ और उदाहरण से जानेंगे।

1. असमिया
2. बंगाली
3. बोडो डोगरी
4. गुजराती
5. हिन्दी
6. कन्नड़
7. कश्मीरी
8. कोंकणी
9. मैथिली, मलयालम
10. खासी और गारो
11. मराठी
12. मणिपुरी
13. मलयालम

14. मिज़ो
15. निशि
16. ओड़िया
17. पंजाबी
18. तमिल
19. तेलगु
20. संस्कृत
21. सिन्धी
22. उर्दू
23. नेपाली

संविधान में वर्णित भाषाओं की सूची

राज्य का नाम	भाषा का नाम	राज्य का नाम	भाषा का नाम
1. राजस्थान	हिन्दी	9. पश्चिम बंगाल	बंगला
2. हिमाचल प्रदेश	हिन्दी	10. कर्नाटक	कन्नड़
3. पंजाब	पंजाबी	11. आंध्रप्रदेश	तेलगू
4. हरियाणा	हिन्दी	12. उत्तर प्रदेश	हिन्दी
5. दिल्ली	हिन्दी	13. उड़ीसा	उड़िया
6. जम्मू-कश्मीर	कश्मीरी	14. केरल	मलयालम
7. मध्य प्रदेश	हिन्दी	15. असम	असमिया
8. बिहार	हिन्दी	16. गोवा	हिन्दी

भाषा के द्वारा हम अपने विचार दूसरों को तथा दूसरों के विचार स्वयं जानते और समझते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि भावों और विचारों की अभिव्यक्ति के लिए रूढ़ अर्थों में संकेतों की व्यवस्था ही भाषा है।

शेखर– दादी! हमने पढ़ा है कि बोलने तथा सुनने की भाषा मौखिक तथा लिखने की भाषा लिखित होती है।

दादी– शाबाश! शेखर आपने ठीक बताया। भाषा के दो रूप हैं।

1. लिखित 2. मौखिक

एक तीसरा रूप जिसे हम संकेत कहते हैं।

(सभी बच्चे एक साथ कहते हैं – हम समझे नहीं दादी!)

दादी– आपने रेलगाड़ी में गार्ड को हरी झंडी या हरी बत्ती दिखाते हुए देखा होगा। इसे हम सांकेतिक भाषा कहते हैं।

मौखिक भाषा

- मोबाइल
- दूरदर्शन
- संगणक (कम्प्यूटर)

लिखित भाषा

- पुस्तक

- पत्रिका
- समाचार-पत्र

सांकेतिक भाषा

- यातायात पुलिस
- यातायात के नियम
- नमस्ते/अभिवादन 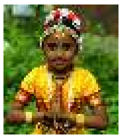

यदि हम शुद्ध भाषा बोलते हैं तो समाज में हमारा सम्मान होता है। यदि हम अशुद्ध भाषा बोलेंगे तो लोग हमारा उपहास करेंगे।

जैसे

अशुद्ध	शुद्ध
स्मृति गीत गाता है।	स्मृति गीत गाती है।
नरेन्द्र पानी पीती है।	नरेन्द्र पानी पीता है।

समस्त भाषाओं के अपने नियम और व्यवस्थाएँ होती हैं। इन्हें हम व्याकरण कहते हैं। शुद्ध भाषा जानने के लिए व्याकरण का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है।

भाषा के तीन अंग होते हैं।

1. वर्ण (Letter) 2. शब्द (Word) 3. वाक्य (Sentence)

अभ्यास के लिए

प्र0 – 1. भाषा किसे कहते हैं?

उ0 – ____________________

प्र0 – 2. मातृभाषा किसे कहते हैं?

उ0 – ____________________

प्र0 – 3. सांकेतिक भाषा किसे कहते हैं?

उ0 – ____________________

प्र0 – 4. नीचे के चित्रों को देखकर लिखिए कि उनमें भाषा का कौन सा रूप है?

प्र0 – 5. प्रदेशों का उनकी भाषाओं से मिलान कीजिए।

1 महाराष्ट्र	1 उड़िया
2 मध्य प्रदेश	2 तमिल
3 पश्चिम बंगाल	3 मलयालम
4 पंजाब	4 कन्नड़
5 उड़ीसा	5 मराठी
6 तमिलनाडु	6 हिन्दी
7 केरल	7 बंगला
8 कर्नाटक	8 पंजाबी

प्र0 – 6. अपने देश की राष्ट्रभाषा का नाम लिखिए।

उ0 – ____________________

प्र0 – 7. नीचे लिखे कथनों के सामने सही पर (✔) तथा गलत पर (✘) का चिह्न अंकित कीजिए।

(क) भाषा के तीन रूप होते हैं। ☐

(ख) सभी प्रदेशों में एक ही भाषा बोली जाती है। ☐

(ग) अंग्रेज़ी हमारी राष्ट्रभाषा है। ☐

(घ) हरियाणा प्रदेश की तमिल भाषा है। ☐

(ड.) चौराहे पर खड़े सिपाही की मौखिक भाषा होती है। ☐

प्र0 – 8. रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरिए :-

- भाषा के ....अंग होते हैं।
- पहला ....दूसरा ....तथा तीसरा ....होता है।
- हम सब अपने विचारों का आदान-प्रदान ....के द्वारा करते हैं।

गतिविधि (Activity)

आचार्य/दीदी के सहयोग से क्षेत्र की लोक कलाओं (नृत्य, गीत आदि) की सूची बनाइए तथा उनके इतिहास को भी जानिए।